स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है जैविक व यौगिक खेती

ज्ञान सरोवर में ग्राम विकास स मेलन संपन्न

माउंट आबू, ३ जुलाई। मध्य प्रदेश किसान कल्याण, कृषि विकास मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने कहा कि अध्यात्म से मूल्यों को निखार लिया जाए तो किसानों की आर्थिक उन्नति तीव्रगति से विकसित हो सकती है। जब पूरे मनोयोग से किसी कार्य को किया जाता है तो उसके सकारात्मक परिणाम स्वत: प्राप्त होते हैं। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में ग्राम विकास प्रभाग द्वारा आयोजित स मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि योगिक व जैविक खेती अति उत्तम है। स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद जैविक व यौगिक खेती को बढ़ाना देना चाहिए। ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा गांव-गांव में किए जा रहे कार्य सार्थक सिद्ध हो रहे हैं। प्रकृति मानवीय आवश्यकताओं को नियमानुसार पूरा करने में सक्षम है, बशर्ते प्राकृतिक नियमों के अनुरुप मानव उनका सदुपयोग करे।

ग्राम विकास प्रभाग अध्यक्षा बीके सरला बहन ने कहा कि प्राचीन भारतीय संस्कृति व स यता सुख, शान्ति से जीने का तरीका सिखाती है। ग्रामीण जीवनशैली को पाश्चात्य संस्कृति से दूर रहना चाहिए।

गुजरात के दाहोद शहर से आए इंडोजर्मन वाटरशैड मैनेजमेंट अध्यक्ष राजेश दवे ने कहा कि गांव के बेहतर उत्थान को मेहनतकर्ता किसानों को आधुनिकता व अध्यात्मिकता का समन्वय रखना आवश्यक है। गांववासियों को नैतिकता जैसे जीवनोपयोगी मूल्यों से संपन्न करने का जो संगठन की ओर से भगीरथ कार्य किया जा रहा है वह खुली किताब की तरह है।

संगठन के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने कहा कि किसान के मन में संकल्प रूपी बीज सकारात्मक हो तो अनाज भी शक्ति प्रदान करने वाला होता है। जैविक खादों के प्रयोग से अनाज की पौष्टिकता भी उच्च गुणवत्ता वाली होती है।

वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका बीके सुषमा बहन ने कहा कि समाज के हर तबके को मानसिक शान्ति व शक्ति प्राप्त करने के लिए राजयोग का अ यास करने की जरूरत है। राजयोग मनोबल को बढ़ाने में सहायक है।

वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका बीके गीता बहन ने कहा कि गांवों के सर्वांगीण विकास को ग्रामवासियों में एकता के साथ आपसी सदभाव, प्रेम, सुख, शान्ति आदि मूल्यों को महत्व देना चाहिए।

कार्यक्रम में प्रभाग के अधिशासी सदस्य बीके राजेंद्र, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके किरण आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

०३एमएबी१,२

माउंट आबू। समापन सत्र को संबोधित करते मध्यप्रदेश किसान कल्याण व कृषि विकास मंत्री गौरीशंकर। कार्यक्रम में उपस्थित सहभागी।